

## वनाग्नि

### प्रलम्बिस के लयि:

वनाग्नि, जलवायु परविरतन

### मेन्स के लयि:

वनाग्नि तथा इसको रोकने संबन्धी उपाय, सरकारी नीतयिँ और हस्तकषेप, पर्यावरण परदूषण और गरिवट

## चर्चा में क्योँ?

हाल के कुछ दनिँ में **वनाग्नि** (Forest Fire) ने यूरोप (वशिष रूप से दक्षणि-पश्चमि यूरोप) को बुरी तरह से परभावति कयिा है ।

- हज़ारों एकड़ भूमि को नष्ट करने वाली भीषण गर्मी ने जहाँ लोगों को अपना घर छोड़ने के लयि मज़बूर कयिा है, वहीँ इस आपात स्थिति में कार्य कर रहे कई कर्मयिँ को अपनी जान भी गँवानी पड़ी है ।

## वनाग्नि क्या है?

### परचिय:

- इसे **बुश फायर/वेजटिशन फायर या जंगल की आग** भी कहा जाता है, इसे कसिी भी **अनयित्तरति और गैर-नरिधारति दहन** या प्राकृतिकि स्थिति जैसे क जंगल, घास के मैदान, कषुपभूमि (Shrubland) अथवा टुंडरा में पौधों/वनस्पतयिँ के जलने के रूप में वर्णति कयिा जा सकता है, जो प्राकृतिकि ईंधन का उपयोग करती है और पर्यावरणीय स्थतियिँ (जैसे- हवा तथा स्थलाकृति आदि) के आधार पर इसका प्रसार होता ।
- वनाग्नि के लयि तीन कारकों की उपस्थिति आवश्यक है और वे हैं- **ईंधन, ऑक्सीजन एवं गर्मी अथवा ताप का स्रोत** ।

### कारण:

#### प्राकृतिकि कारण:

- वनाग्नि प्राकृतिकि कारणों से भी प्रेरति हो सकती है जैसे क कई बार **तड़ति/आकाशीय बजिली** (Lightning) के कारण भी वृक्षों में आग लग जाती है ।
- हालाँक इस तरह की वनाग्नि को वर्षा ही बुझा देती है तथा बहुत अधिकि क्षतनिही होती । उच्च वायुमंडलीय तापमान और (नमिन आर्द्रता) इस तरह की वनाग्नि के लयि अनुकूल परस्थितियिँ प्रदान करता है ।

#### मानवजनति कारण:

- खुले में कसिी प्रकार किलौ जलाने, सगिरेट अथवा बीड़ी या इलेक्ट्रिकि स्पार्क या प्रज्वलन के कसिी स्रोत के ज्वलनशील सामग्री के संपर्क में आने पर भी आग लगने की घटना हो सकती है ।

## वनाग्नि का वर्गीकरण:

### सतही आग:

- वनाग्नि अथवा दावानल की शुरुआत सतही आग (Surface Fire) के रूप में होती है जसिमें वन भूमि पर पड़ी सूखी पत्तयिँ, छोटी-छोटी झाड़यिँ और लकड़यिँ जल जाती हैं तथा धीरे-धीरे इनकी लपटें फैलने लगती हैं ।

### भूमगित आग:

- कम तीव्रता की आग जो भूमिकि सतह के नीचे मौजूद कार्बनिकि पदार्थों और वन भूमिकि सतह पर मौजूद अपशषिटों का उपयोग करती है, को भूमगित आग के रूप में उप-वर्गीकृत कयिा जाता है । अधकिंश घने जंगलों में खनजि मृदा के ऊपर कार्बनिकि पदार्थों का एक मोटा आवरण पाया जाता है ।
- इस प्रकार की आग आमतौर पर पूरी तरह से भूमगित रूप में फैलती है और यह सतह से कुछ मीटर नीचे तक जलती है ।
- यह आग बहुत धीमी गतिसे फैलती है और अधकिंश मामलों में इस तरह की आग का पता लगाना तथा उस पर काबू पाना बहुत मुश्कलि हो जाता है ।

◦ इस प्रकार की आग महीनों तक जलती रह सकती है और यह मृदा के वानस्पतिक आवरण को नष्ट कर सकती है ।

#### ■ मैदानी आग:

- यह उप-सतह जैसे क्विन कषेत्रों के नीचे मौजूद डफ की परतें, आर्कटिक टुंड्रा या टैगा और दलदल की जैविक मृदा में मौजूद कार्बनिक ईंधन में लगने वाली आग है ।
  - मट्टि में अपघटित कार्बनिक पदार्थ को कूड़े का ढेर (Litter) कहते हैं । यह धीरे-धीरे सड़ता है और जब आंशिक रूप से वघटित होता है, तो इसे डफ कहा जाता है ।
- भूमिगत और ज़मीनी सतह की आग के बीच कोई स्पष्ट अंतर नहीं है ।
- सुलगती भूमिगत आग कभी-कभी मैदानी आग में बदल जाती है ।
- यह आग सतह पर या उसके नीचे जड़ और अन्य सामग्री को जला देती है, यानी अपकषय के वभिन्न चरणों में कार्बनिक पदार्थों की परत के साथ वन भूमि पर वकिसति घास को भी जला देती है ।
- **जलवायु में तेज़ी से बदलाव** के कारण आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र उच्च तीव्रता वाले वनाग्नि की घटनाओं के लिये सबसे अधिक प्रवण हैं ।
- मज़ोरम में पछिले दो दशकों में सबसे अधिक वनाग्नि की घटनाएँ हुई हैं, इसके 95% से अधिक ज़ल्ले वनाग्नि के लिये हॉटस्पॉट हैं ।
- जो ज़ल्ले पहले बाढ़ प्रवण थे, वे अब जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप "स्वैपिंग ट्रेंड" का विजह से सूखा प्रवण बन गए हैं ।
- 75% से अधिक भारतीय ज़ल्ले चरम जलवायु घटना के हॉटस्पॉट हैं और 30% से अधिक ज़ल्ले अत्यधिक वनाग्नि वाले हॉटस्पॉट हैं ।

#### ■ उठाए गए कदम:

- **वनाग्नि के लिये राष्ट्रीय कार्ययोजना (NAPFF), 2018** को वनाग्नि की घटनाओं को कम करने के लक्ष्य के साथ जंगल के किनारे रह रहे समुदायों को सूचित, सक्षम और सशक्त बनाने तथा उन्हें राज्य वन विभागों से सहयोग के लिये प्रोत्साहित करने हेतु शुरू किया गया था ।
- **वनाग्नि निवारण और प्रबंधन योजना (FPM)** एकमात्र सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम है जो वनाग्नि से निपटने में राज्यों की सहायता के लिये समर्पित है ।

## वनाग्नि पर काबू पाने के लिये आवश्यक उपाय:

- गर्मियों में जंगल की सीमा के चारों ओर फैले कूड़े को हटाकर आग को रोका जा सकता है ।
- जंगल की सीमा के निर्माण से वनाग्नि को एक हिससे से दूसरे हिससे में जाने से रोका जा सकता है ।
- यह वनाग्नि को नियंत्रित करने का सबसे अच्छा तरीका है, इसे फैलने से रोकने का कार्य जंगलों में अग्निरोधक के रूप में छोटी-छोटी खाइयाँ बनाकर किया जा सकता है ।
- वनों के निकट के कषेत्रों में सुरक्षित प्रथाओं को अपनाने की आवश्यकता है । कारखानों, कोयले की खानों, तेल भंडारों, रासायनिक संयंत्रों और यहाँ तक कि घरेलू रसोई में भी ।
- इसके अलावा आग की घटनाओं में कमी के लिये अग्निशमन तकनीकों और उपकरणों को शामिल करना ।

## स्रोत: द हट्टि